दृष्टि The Vision

करेंट अफेयर्स छत्तीसगढ़

मार्च (संग्रह)

2022

दृष्टि, 641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

फोन: 8750187501

ई-मेल: online@groupdrishti.com

अनुक्रम

छत्तीसगढ़ **3**

- डी.एन.बी. कोर्स के लिये राज्य के तीन ज़िला अस्पताल को मिली मान्यता 3
- मुख्यमंत्री ने राजिम में लक्ष्मण झूला का किया लोकार्पण 3
- वन मंत्री अकबर ने किया ऑल इंडिया हॉकी प्रतियोगिता का उद्घाटन 4
- छत्तीसगढ़ की शिक्षिका पूनम उर्मलिया को राष्ट्रीय आई.सी.टी. पुरस्कार 4
- सोशल इंटरप्राइजेज फॉर गारबेज फ्री सिटी पर नेशनल कॉन्क्लेव 5
- प्रदेश के 7वें डाक संभाग का उद्घाटन 5
- छत्तीसगढ़ में तीन साल में 10 गुना बढ़ा मक्के का रकबा 6
- दिव्यांगजन राज्यस्तरीय पुरस्कार, 2021 6
- भारतीय खेल प्राधिकरण ने छत्तीसगढ़ में दी 7 खेलों इंडिया सेंटर की मंज़ूरी 7
- मुख्यमंत्री ने किसानों के हित में की बड़ी घोषणा 8
- राष्ट्रीय सुपरक्रॉस प्रतियोगिता 2022 एवं फ्री स्टाइल मोटोक्रॉस प्रतियोगिता 8
- मुख्यमंत्री ने किया 'कौशल्या मातृत्व योजना'का शुभारंभ 9
- छत्तीसगढ़ में 1.70 लाख बच्चे कुपोषण से मुक्त 9
- राज्य पुलिस अकादमी और पुलिस प्रशिक्षण स्कूल को यूनियन होम मिनिस्टर ट्रॉफी 10
- छत्तीसगढ़ आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 2021-22 10
- छत्तीसगढ़ के आस्था संकुल संगठन को राष्ट्रीय स्तर का आत्मनिर्भर संगठन पुरस्कार 11
- छत्तीसगढ़ की मधुलिका रामटेके 'नारी शक्ति पुरस्कार'से सम्मानित 12
- एनटीपीसी लारा को मिला सेफ्टी इनोवेशन नेशनल अवार्ड, 2021 12
- साधना कला संस्थान द्वारा आयोजित तीनदिवसीय कला प्रदर्शनी का शुभारंभ 13
- मैनपाट महोत्सव 2022 13
- एशिया का सबसे बड़ा समुद्री फॉसिल्स पार्क मनेंद्रगढ़ में बनेगा 13
- दि इनक्रेडिबल जर्नी ऑफ कोसा'पुस्तक का विमोचन 14
- छत्तीसगढ़ के 6 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन प्रमाण-पत्र 14
- मनरेगा में लेबर बजट बढ़ाने के छत्तीसगढ़ के प्रस्ताव को केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की मंज़ूरी 15
- संगीता खलखो बनी राज्य स्तर पर सबसे अधिक लेन-देन करने वाली बैंक सखी 15
- मुख्यमंत्री ने बलौदाबाज़ार में डॉ. खूबचंद बघेल की प्रतिमा का किया अनावरण 16
- फाल्गुन मड़ई मेला 16
- फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिये छत्तीसगढ़ की आदिवासी महिलाएँ सम्मानित 17
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सी-मार्ट के लोगो का किया विमोचन 17
- केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री ने प्रदेश के 6 मनरेगा श्रमिकों को किया सम्मानित 18
- छत्तीसगढ़ की ईश्वरी ने दुबई में वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स में जीता रजत पदक 18
- शैक्षिक छात्रवृत्ति अभियान 19
- आईसीएच वायरस 19
- 23वीं राष्ट्रीय सब-जूनियर फेंसिंग प्रतियोगिता 20
- ग्राम पंचायत छिंदिया को बेहतर जल संरक्षण और प्रबंधन के लिये मिला राष्ट्रीय पुरस्कार 20
- वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी के नाम पर महिला सशक्तीकरण पुरस्कार 21

नोट :

छत्तीसगढ़

डी.एन.बी. कोर्स के लिये राज्य के तीन ज़िला अस्पताल को मिली मान्यता

चर्चा में क्यों ?

- 28 फरवरी, 2022 को नेशनल बोर्ड ऑफ एक्जामिनेशन्स इन मेडिकल साइंसेज (NBEMS), नई दिल्ली द्वारा छत्तीसगढ़ के रायपुर, कांकेर और सूरजपुर स्थित ज़िला अस्पतालों को दोवर्षीय पोस्ट एमबीबीएस डिप्लोमा कोर्स डी.एन.बी. के लिये मान्यता दी गई।

प्रमुख बिंदु

- ज़िला अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की मौजूदगी और गुणवत्तापूर्ण इलाज के कारण राज्य में डी.एन.बी. पाठ्यक्रम की सीटों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।
- उल्लेखनीय है कि नेशनल बोर्ड ऑफ एक्जामिनेशन्स द्वारा हाल ही में दुर्ग ज़िला अस्पताल को भी ई.एन.टी. (नाक, कान, गला) और पिडियाट्रिक (शिशु रोग) में दो-दो सीटों के लिये डी.एन.बी. कोर्स की मान्यता प्रदान की गई थी।
- इसके साथ ही दुर्ग ज़िला अस्पताल डी.एन.बी. कोर्स के लिये मान्यता हासिल करने वाला छत्तीसगढ़ का पहला संस्थान बना था।
- इन सभी अस्पतालों को पाँच-पाँच वर्ष के लिये इस कोर्स की अनुमति दी गई है। रायपुर ज़िला अस्पताल को जनवरी-2022 से दिसंबर-2026 तक के लिये डी.एन.बी. की कुल छह सीटों की मान्यता मिली है। इनमें पिडियाट्रिक्स (शिशु रोग) की तीन, प्रसूति एवं स्त्री रोग की दो और फैमिली मेडिसिन की एक सीट शामिल हैं।
- कांकेर ज़िला अस्पताल को जनवरी 2022 से दिसंबर 2026 तक के लिये नेत्र रोग में डी.एन.बी. की एक सीट के लिये तथा सूरजपुर ज़िला अस्पताल को जनवरी 2021 से दिसंबर 2025 तक स्त्री एवं प्रसूति रोग में एक सीट के लिये मान्यता प्रदान की गई है।
- इस प्रकार राज्य के इन 4 ज़िला अस्पतालों में डीएनबी की कुल 12 सीटों की अनुमति प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री ने राजिम में लक्ष्मण झूला का किया लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

- 1 मार्च, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के प्रयाग राजिम में नवनिर्मित लक्ष्मण झूला (सस्पेंशन ब्रिज) आम जनता को समर्पित किया। त्रिवेणी संगम के समीप बने इस झूले से राजिम के राजीव लोचन मंदिर से कुलेश्वर महादेव मंदिर और लोमश ऋषि आश्रम आपस में जुड़ जाएंगे।

प्रमुख बिंदु

- धार्मिक और आध्यात्मिक नगरी के रूप में प्रसिद्ध राजिम में 33.12 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किये गए इस बहुप्रतिक्षित लक्ष्मण झूले की चौंड़ाई 3.25 मीटर तथा लंबाई 610 मीटर है।
- महानदी पर निर्मित यह ब्रिज अपनी वास्तुकला के कारण काफी आकर्षक है। इसमें रोशनी के लिये आधुनिक एवं सुसज्जित प्रकाश व्यवस्था है। जिसके कारण रात को भी पर्यटकों का आवागमन सुगमता से हो सकता है।
- राजिम संगम स्थल पर निर्मित यह सस्पेंशन ब्रिज राज्य के बाहर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करेगा, जिससे इस पौराणिक स्थल की ख्याति दूर-दूर तक फैलेगी एवं लगातार पर्यटकों की वृद्धि होगी।

नोट :

- उल्लेखनीय है कि पर्यटकों को राजीव लोचन मंदिर से कुलेश्वर महादेव मंदिर या लोमष ऋषि आश्रम से कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर तक पहुँचने के लिये पैदल मार्ग से ही नदी पार करके जाना पड़ता था, जो बरसात के दिनों में अत्यंत जोखिमभरा था।
- गौरतलब है कि राजिम छत्तीसगढ़ के रायपुर ज़िले में महानदी के तट पर स्थित है। यह अपने शानदार मंदिरों के लिये प्रसिद्ध है। यहाँ 'राजिम' या 'राजीवलोचन' भगवान रामचंद्र का प्राचीन मंदिर है, जो 8वीं-9वीं सदी का है।
- राजिम के ऐतिहासिक माघ पूर्णिमा का मेला (राजिम पुन्नी मेला) पूरे भारत में प्रसिद्ध है। इस बहुप्रतिक्षित लक्ष्मण झूले से राजिम पुन्नी मेले को और भव्यता मिलेगी। इस पवित्र नगरी के ऐतिहासिक और पुरातात्त्विक महत्त्व के मंदिरों में प्राचीन भारतीय संस्कृति और शिल्पकला का अनोखा समन्वय नज़र आता है।

वन मंत्री अकबर ने किया ऑल इंडिया हॉकी प्रतियोगिता का उद्घाटन

चर्चा में क्यों ?

- 1 मार्च, 2022 को छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर ने बिलासपुर ज़िले के बहतराई स्टेडियम के बी.आर.यादव एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान में ऑल इंडिया हॉकी टूर्नामेंट का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- इस टूर्नामेंट में विभिन्न राज्यों से पुरुष वर्ग की 16 टीमों और महिला वर्ग की 14 टीमों सहित कुल तीस टीमें हिस्सा ले रही हैं।
- इस टूर्नामेंट में हरियाणा, दिल्ली, मुंबई, राउरकेला, रोहतक, प्रयागराज, सोनीपत, बंगलूरू आदि से पुरुष वर्ग की टीमें भाग ले रही हैं। इसी प्रकार दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, नागपुर, मेरठ, ग्वालियर तथा हरियाणा से महिला हॉकी खिलाड़ी हिस्सा ले रही हैं।
- प्रतियोगिता का पहला उद्घाटन मैच पुरुष वर्ग के सूफिया स्पोर्टिंग क्लब अमरावती और ज़िला हॉकी संघ बिलासपुर के बीच खेला गया।
- मोहम्मद अकबर ने कहा कि छत्तीसगढ़ से विसेंट लकड़ा, सबा अंजुम जैसे खिलाड़ियों ने अपने प्रतिभा के दम पर प्रदेश को गौरवान्वित किया। उन्होंने कहा कि हॉकी सहित विभिन्न खेलों को प्रोत्साहन देने के लिये शासन स्तर पर योजनाएँ संचालित की जा रही हैं।

छत्तीसगढ़ की शिक्षिका पूनम उर्मलिया को राष्ट्रीय आई.सी.टी. पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

- 28 फरवरी, 2022 को छत्तीसगढ़ के दुर्ग ज़िले की शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल कैम्प-1 भिलाई की शिक्षिका पूनम उर्मलिया को राष्ट्रीय आई.सी.टी. पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी ने नई दिल्ली के अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय भवन के नालंदा सभागार में आयोजित पुरस्कार समारोह सेरेमनी फॉर स्कूल टीचर्स में पूनम उर्मलिया को प्रमाण-पत्र और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया।
- समारोह में उन सभी स्कूली शिक्षकों को पुरस्कृत किया गया, जिन्होंने सूचना और संचार तकनीक का प्रयोग कर शिक्षण को बच्चों के लिये रोचक और ग्राह्य बनाया है।
- उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा बच्चों को सूचना तकनीक से परिचित कराने के लिये भिलाई के शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल को 10 कंप्यूटर प्रदान किये गए थे। शिक्षिका पूनम उर्मलिया ने इन कंप्यूटर्स में डिफेंस ओपन एजुकेशन रिसोर्सेस का इंस्टॉलेशन कराया, जिससे स्कूल के बच्चे जो पहली बार कंप्यूटर की तकनीक को समझने में सफल हुए।
- शिक्षिका पूनम ने टाटा संस्थान मुंबई से रिफेक्टिव टीचिंग विथ आई.सी.टी. का कोर्स भी किया है, जिसका लाभ विद्यालय के बच्चों को मिला।

नोट :

सोशल इंटरप्राइजेज फॉर गारबेज फ्री सिटी पर नेशनल कॉन्क्लेव

चर्चा में क्यों ?

- 3 मार्च, 2022 को भारत सरकार के आवास एवं नगरीय मामले मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सोशल इंटरप्राइजेज फॉर गारबेज फ्री सिटी पर नेशनल कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया, जिसमें देश के 20 राज्यों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने बताया कि छत्तीसगढ़ में स्वच्छता को रोज़गार से जोड़ा गया है। स्वच्छता के छत्तीसगढ़ मॉडल की सफलता का मूलमंत्र कचरा प्रसंस्करण को आजीविका से जोड़ना रहा है। इससे छत्तीसगढ़ के शहरों को स्वच्छ बनाने में सफलता मिली है।
- उन्होंने बताया कि इसके लिये राज्य सरकार ने 'नरवा गरवा घुरवा बारी' से स्वच्छता को जोड़ा, सिंगल यूज़ प्लास्टिक बैन पर ज़ोर दिया तथा 6 आर पॉलिसी-रीथिंक, रियूज़, रिसाइकिल, रिपेयर, रिड्यूस, रिफ्यूज के आधार पर काम किया, जिससे नए अपशिष्ट बनने की मात्रा कम होने लगी।
- बस्तियों में सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालय बनाए, जिसमें लोगों ने अपना पूरा सहयोग दिया। मानव मल प्रबंधन के लिये स्लज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए, जहाँ सीवर का पानी ट्रीट होता है।
- 10 हज़ार से अधिक स्वच्छता दीदियों ने राज्य के हर एक नागरिक को स्वच्छता के लिये प्रोत्साहित किया। लोगों को जागरूक करने के लिये इन दीदियों ने डोर-टू-डोर जाकर गीला-सूखा कचरा अलग रखने के लिये प्रशिक्षण दिया और लोगों में स्वच्छता को एक आदत का रूप देने में बड़ी तन्मयता से अपनी भूमिका निभाई है।
- आम नागरिकों की स्वच्छता संबंधी शिकायतों को 24 घंटे के अंदर निपटान के लिये टोल फ्री नंबर 1100 दिया गया है। गूगल से सभी सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों को जोड़ा गया, ताकि लोग अपने आसपास के शौचालय को फोन पर ही सर्च कर सकें।
- घर-घर से सूखे और गीले कचरे का कलेक्शन कर राज्य के सभी शहरों में प्रोसेसिंग प्लांट में 100 प्रतिशत कचरे की प्रोसेसिंग द्वारा कचरा मुक्त शहर बनाने की दिशा में अभिनव कार्य किया गया है। साथ ही 150 से अधिक कचरे की खुली डंप साइट को खत्म कर वहाँ उद्यान और हरियाली का विकास किया गया है।
- राज्य में सभी नगरीय निकाय सेप्टिक टैंक के पानी का उपचार करते हैं। इस कारण छत्तीसगढ़ देश का स्वच्छतम राज्य के साथ ही सर्वप्रथम ओडीएफ प्लस प्लस राज्य बना है।
- नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी के परंपरागत तरीके से कार्य करने वाले छत्तीसगढ़ का स्वच्छता मॉडल अब देश का सबसे प्रख्यात मॉडल बन गया है। छत्तीसगढ़ लगातार 3 बार देश का सबसे स्वच्छतम राज्य बना है।

प्रदेश के 7वें डाक संभाग का उद्घाटन

चर्चा में क्यों ?

- 3 मार्च, 2022 को जनजातीय कार्य मंत्रालय की केंद्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह तथा छत्तीसगढ़ शासन के पंचयात एवं ग्रामीण विकास मंत्री टी.एस. सिंहदेव द्वारा प्रदेश के 7वें डाक संभाग के रूप में सरगुजा डाक संभाग का उद्घाटन किया गया।

प्रमुख बिंदु

- सरगुजा डाक संभाग के अंतर्गत सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया एवं बलरामपुर-रामानुजगंज ज़िले शामिल हैं। संभाग के अंतर्गत एक प्रधान डाक घर, 35 उप डाक घर तथा 305 शाखा डाक घर संचालित होंगे।
- गौरतलब है कि इससे पहले रायगढ़ डाक संभाग होने के कारण लोगों को लंबी दूरी की यात्रा कर रायगढ़ जाना पड़ता था, जिससे समय और धन, दोनों ज़्यादा लगता था। सरगुजा डाक संभाग के बनने से संभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा आम जनता को सहूलियत होगी।
- केंद्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह ने इस अवसर पर कहा कि माँ महामाया एयरपोर्ट से शीघ्र ही हवाई सेवा शुरू होगी।
- महापौर डॉ. अजय तिर्की ने कहा कि अब लोगों को और सुविधा मिलेगी तथा शासन की योजनाओं का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन हो सकेगा।

नोट :

छत्तीसगढ़ में तीन साल में 10 गुना बढ़ा मक्के का रकबा

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में जारी आँकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ में बीते तीन-चार सालों में मक्के का रकबा 13 हज़ार हेक्टेयर से बढ़कर एक लाख 46 हज़ार हेक्टेयर हो गया है, जो कि 10 गुना से भी अधिक है।

प्रमुख बिंदु

- राज्य में बीते तीन-चार सालों में मक्के की खेती को लेकर किसानों का रुझान काफी तेज़ी से बढ़ा है। राज्य में समर्थन मूल्य पर 1870 रुपए प्रति क्विंटल की दर से मक्के की खरीदी और कोंडागांव में प्रसंस्करण केंद्र शुरू होने से किसानों को बेहतर दाम मिलने लगा है, जिसके चलते मक्के के रकबे में तेज़ी से वृद्धि हुई है।
- केंद्र से अनुमति मिलने के बाद कोंडागांव मक्का प्रसंस्करण केंद्र में मक्का से स्टार्च के स्थान पर अब एथेनाल के उत्पादन के लिये प्लांट लगाए जाने की तैयारी जारी है।
- बीते रबी सीजन 2020-21 में राज्य में 93 हज़ार 200 हेक्टेयर में किसानों ने मक्के की खेती की थी, जिसका रकबा चालू रबी सीजन में बढ़कर एक लाख 46 हज़ार 130 हेक्टेयर हो गया है। एक साल के दरम्यिान मक्के के रकबे के लक्ष्य में लगभग 53,000 हेक्टेयर की रिकॉर्ड वृद्धि हुई है।
- गौरतलब है कि राज्य में रबी सीजन 2017-18 में मात्र 13 हज़ार 440 हेक्टेयर तथा वर्ष 2016-17 में (रबी सीजन में) मात्र 12 हज़ार हेक्टेयर में किसानों ने मक्के की खेती की थी।
- राज्य में तीन-चार साल पहले दर्जनभर ज़िले ऐसे थे, जहाँ मक्के की खेती लगभग नहीं के बराबर थी। आज की स्थिति में कोरिया ज़िले को छोड़कर शेष सभी ज़िलों में मक्के की खेती की जा रही है, जिसके चलते मक्के की खेती का रकबा 10 गुना से अधिक बढ़ गया है।
- वर्ष 2017-18 की तुलना में राज्य के बिलासपुर संभाग में इस साल मक्के की खेती का रकबा 327 गुना बढ़ा है। संभाग में पहले मात्र 60 हेक्टेयर में मक्के की खेती होती थी, जिसका रकबा आज बढ़कर 19 हज़ार 662 हेक्टेयर हो गया है।
- राज्य के कोंडागांव ज़िले में सर्वाधिक 45 हज़ार 880 हेक्टेयर में मक्के की खेती की जा रही है। यहाँ पहले 4260 हेक्टेयर में मक्का बोया जाता था। इसी प्रकार तीन-चार सालों में कांकेर ज़िले में मक्के का रकबा 4,000 हेक्टेयर से बढ़कर 28 हज़ार हेक्टेयर के पार पहुँच गया है।
- रायपुर संभाग के ज़िलों में लगभग 1470 हेक्टेयर से बढ़कर मक्के का रकबा 21 हज़ार हेक्टेयर, दुर्ग संभाग में 1470 हेक्टेयर से बढ़कर 8780 हेक्टेयर, सरगुजा संभाग में 290 हेक्टेयर से बढ़कर 10690 हेक्टेयर तथा बस्तर संभाग में मक्के की खेती का रकबा 10,000 हेक्टेयर से बढ़कर 85,800 हेक्टेयर पहुँच गया है।

दिव्यांगजन राज्यस्तरीय पुरस्कार, 2021

चर्चा में क्यों ?

- 4 मार्च, 2022 को छत्तीसगढ़ की समाज कल्याण मंत्री अनिला भेंड़िया ने 8 व्यक्तियों और संस्थाओं को दिव्यांगजन राज्यस्तरीय पुरस्कार, 2021 से सम्मानित किया। इस अवसर पर 2 राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त संस्थाओं और दिव्यांगता, समाज सेवा एवं विशेष उपलब्धियों वाले 5 व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- दिव्यांगजन राज्यस्तरीय पुरस्कार, 2021 के वितरण समारोह का आयोजन प्रदेश के समाज कल्याण विभाग द्वारा रायपुर के माना कैंप स्थित संचालनालय परिसर में किया गया।
- सर्वश्रेष्ठ दृष्टिबाधित कर्मचारी की श्रेणी में बालोद ज़िला के दियाबाती गाँव के निवासी तेजराम साहू को उनके विशिष्ट और उल्लेखनीय योगदान के लिये पुरस्कार प्रदान किया गया। शत-प्रतिशत दृष्टिबाधित होने के बाद भी वे 16 वर्षों से दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को ब्रेल लिपि में शिक्षा प्रदान कर उन्हें स्वावलंबी बना रहे हैं।

नोट :

- सर्वश्रेष्ठ दृष्टिबाधित कर्मचारी की श्रेणी में धमतरी ज़िले के सोरिद नगर निवासी अरविंद शर्मा को राज्यस्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वे आवासीय विशेष प्रशिक्षण केंद्र कचांदुर ज़िला बालोद में 2013 से दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को कंप्यूटर की तकनीकी शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2014-15 की नेशनल पैरालिम्पिक जूडो प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक जीता था।
- रायपुर के डंगनिया निवासी सौरभ कुमार पांडेय को उनकी कार्यकुशलता और कर्त्तव्यनिष्ठा के लिये सर्वश्रेष्ठ श्रवणबाधित कर्मचारी का पुरस्कार प्रदान किया गया। वे भारतीय स्टेट बैंक, रायपुर में विशेष सहायक के पद पर कार्यरत् हैं।
- रायपुर ज़िले के गुढ़ियारी निवासी रामेश्वर प्रसाद साहू को उनकी कार्य निष्ठा और लगनशीलता के लिये सर्वश्रेष्ठ अस्थिबाधित कर्मचारी का पुरस्कार दिया गया है। उन्होंने कोविड महामारी के दौरान फ्रंटलाईन वारियर्स के रूप में मानव सेवा करते हुए प्रतिदिन कार्य पर उपस्थित होकर अपनी सेवाएँ दीं।
- सर्वश्रेष्ठ अस्थिबाधित नियोक्ता की श्रेणी में बालोद ज़िले के पड़कीभाट की खेमराज जन-कल्याण सेवा समिति को दिव्यांगजन के लिये किये जा रहे अनुकरणीय कार्य हेतु पुरस्कृत किया गया। समिति द्वारा दिव्यांग पुरुष और महिलाओं को स्व-रोज़गार प्रशिक्षण प्रदान कर स्वावलंबी बनाया जा रहा है।
- महासमुंद ज़िले के सरायपाली स्थित फॉर्चून फाउंडेशन समाजसेवी संस्था को सर्वश्रेष्ठ दृष्टिबाधित संस्था हेतु पुरस्कृत किया गया है। संस्था द्वारा 2013-14 से दृष्टिबाधित दिव्यांगों के शैक्षणिक विकास और उनके समग्र पुनर्वास का काम किया जा रहा है। संस्था के बच्चों द्वारा राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 5 स्वर्ण पदक, 11 रजत पदक और 7 कांस्य पदक प्राप्त किये गए हैं। इसके साथ ही राज्यस्तरीय पैरा स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में 2 बालक एवं 2 बालिकाओं द्वारा स्वर्ण पदक प्राप्त किया गया है।
- जांजगीर-चांपा ज़िले की प्रेमधारा चेरिटेबल सोसायटी (नव जीवन मूक बधिर विद्यालय) को सर्वश्रेष्ठ श्रवणबाधित संस्था का पुरस्कार दिया गया है। संस्था द्वारा वर्ष 2018 से श्रवणबाधितार्थ विशेष विद्यालय का संचालन किया जा रहा है।
- दिव्यांगजनों को पुनर्वास सेवाएँ प्रदान करने के लिये जांजगीर-चांपा को सर्वश्रेष्ठ ज़िला का राज्यस्तरीय पुरस्कार प्रदान किया गया है। ज़िले में दिव्यांग व्यक्तियों के पुनर्वास के अनुकूल वातावरण निर्मित किया गया है। ज़िले में 12 हज़ार 861 दिव्यांगजनों का प्रमाणीकरण एवं यूडीआईडी रजिस्ट्रेशन किया गया है और 8545 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराए गए।

भारतीय खेल प्राधिकरण ने छत्तीसगढ़ में दी 7 खेलों इंडिया सेंटर की मंज़ूरी

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में छत्तीसगढ़ के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रस्ताव पर भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा छत्तीसगढ़ में खेलों इंडिया स्कीम के तहत सात खेलो इंडिया केंद्रों की स्थापना की मंज़ूरी दी गई है। ये सातों केंद्र अलग-अलग ज़िलों में एक-एक खेल के लिये खोले जाएंगे।

प्रमुख बिंदु

- भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा आर्चरी और हॉकी के लिये दो-दो केंद्रों, वालीबॉल, मलखंब और फुटबॉल के लिये एक-एक केंद्र की मंज़ूरी दी गई है।
- भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा शिवतराई (बिलासपुर) और बीजापुर में तीरंदाज़ी सेंटर, राजनांदगांव और जशपुर में हॉकी सेंटर, गरियाबंद में वालीबॉल सेंटर, नारायणपुर में मलखंब सेंटर तथा सरगुजा में फुटबॉल खेल के लिये खेलो इंडिया सेंटर प्रारंभ करने की स्वीकृति दी गई है।
- इन केंद्रों में संबंधित खेलों के छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों का चयन कर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कोचों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन केंद्रों की स्थापना के लिये भारतीय खेल प्राधिकरण वित्तीय सहायता भी प्रदान करेगा।
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि राज्य में खेलों का प्रशिक्षण अब और मज़बूत होगा तथा राज्य के खिलाड़ियों को अब अपनी खेल प्रतिभा को निखारने का बेहतर अवसर मिलेगा।
- उन्होंने कहा कि यह 'खेलबो जीतबो गढ़बो नवा छत्तीसगढ़' की परिकल्पना को साकार करने में एक और सार्थक कदम सिद्ध हुआ है।
- प्रत्येक खेल के स्थानीय सीनियर खिलाड़ियों को सेंटर से जोड़ा जाएगा, उन्हें प्रशिक्षक के रूप में कार्य करने के लिये मानदेय भी दिया जाएगा। सभी खेलो इंडिया सेंटर्स में बालक एवं बालिका खिलाड़ियों का बराबर प्रतिनिधित्व भी सुनिश्चित किया जाएगा। इन सेंटर्स को भारतीय खेल प्राधिकरण के पोर्टल में पंजीकृत किया जाएगा।

नोट :

मुख्यमंत्री ने किसानों के हित में की बड़ी घोषणा

चर्चा में क्यों ?

- 6 मार्च, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गोधन न्याय योजना के राशि अंतरण कार्यक्रम के दौरान राज्य के किसानों के हित में एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि किसान खाद-बीज के अग्रिम उठाव की तरह सोसाइटियों और गौठानों से वर्मी कंपोस्ट एवं सुपर कंपोस्ट का भी अग्रिम उठाव कर सकेंगे।

प्रमुख बिंदु

- इस मौके पर मुख्यमंत्री ने गोधन न्याय योजना के तहत गौठानों में गोबर बेचने वाले पशुपालक ग्रामीणों सहित गौठान समितियों तथा महिला स्व-सहायता समूहों को कुल 5 करोड़ 38 लाख रुपए की राशि का ऑनलाइन अंतरण किया।
- इसके साथ ही उन्होंने गौठान समितियों और महिला स्व-सहायता समूहों को उनकी गतिविधियों के बेहतर संचालन के लिये एंडवास राशि उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिये।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि गोधन न्याय योजना से 2 लाख 8 हज़ार से ज़्यादा लोगों को लाभ हो रहा है। इनमें 45 प्रतिशत महिलाएँ हैं। राज्य में अभी तक 10 हज़ार 591 गौठानों के निर्माण की स्वीकृति दी जा चुकी है। इनमें से 8 हज़ार 48 गौठान निर्मित हो चुके हैं।
- राज्य के 2800 गौठान स्वावलंबी हो चुके हैं, जो राज्य में निर्मित एवं संचालित गौठानों की संख्या का एक-तिहाई से भी अधिक है। ये स्वावलंबी गौठान अब पशुपालक ग्रामीणों से गोबर खरीदी में स्वयं की पूंजी का निवेश करने लगे हैं।
- गोधन न्याय योजना में गोबर खरीदी के एवज में ग्रामीणों और पशुपालकों को अब तक कुल 131 करोड़ 93 लाख रुपए का भुगतान किया गया जा चुका है। गोबर खरीदी के एवज में गौठान समितियों को अब तक 48.05 करोड़ रुपए तथा महिला स्व-सहायता समूहों को 31.34 करोड़ रुपए के लाभांश का भुगतान किया जा चुका है।
- इस अवसर पर कृषि एवं जल संसाधन मंत्री रवींद्र चौबे ने कहा कि छत्तीसगढ़ की गौठान और गोधन न्याय योजना की पूरे देश में चर्चा हो रही है। देश के अलग-अलग राज्य इस योजना को अपने यहाँ लागू कर रहे हैं।
- गोधन न्याय योजना को झारखंड ने जस-का-तस अपने राज्य में लागू करने का निर्णय लेते हुए इसे अपने बजट में शामिल किया है। वहीं उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वहाँ के लोगों से गोबर खरीदी की योजना शुरू करने का वादा किया। इससे पहले भी संसद में कृषि मामलों की स्थायी समिति गोधन न्याय योजना को पूरे देश में लागू करने की मांग कर चुकी है।
- 4 मार्च, 2022 को भारत सरकार के थिंक-टैंक नीति आयोग ने ट्वीट करके पूरे देश को बताया है कि बस्तर और दंतेवाड़ा की महिलाएँ किस तरह महुआ-लड्डू, चाय, जैम, जेली और कुकीज जैसे खाद्य पदार्थ तैयार करके खुद को आर्थिक रूप से मज़बूत कर रही हैं।

राष्ट्रीय सुपरक्रॉस प्रतियोगिता 2022 एवं फ्री स्टाइल मोटोक्रॉस प्रतियोगिता

चर्चा में क्यों ?

- 5 से 6 मार्च, 2022 तक छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के आउटडोर स्टेडियम में दो दिवसीय राष्ट्रीय सुपरक्रॉस प्रतियोगिता, 2022 एवं फ्री स्टाइल मोटोक्रॉस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रमुख बिंदु

- इस प्रतियोगिता का आयोजन खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा छत्तीसगढ़ मोटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्त्वावधान में किया गया।
- इस प्रतियोगिता में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी शामिल हुए और स्टेडियम में स्वयं बाइक चलाते हुए प्रवेश कर मंच तक पहुँचे और सभी बाइकर्स तथा खेल-प्रेमी दर्शकों का उत्साहवर्द्धन किया।
- इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बाइक राइडर्स ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में कुल 8 वर्गों में रेस आयोजित की गई। इन रेसिंग प्रतियोगिता के मध्य फ्री स्टाइल मोटोक्रॉस का प्रदर्शन विदेशी बाइकर के द्वारा किया गया।

नोट :

- इस प्रतियोगिता की विभिन्न रेस में छत्तीसगढ़ के प्रतिभागियों के लिये भी विशेष श्रेणी रखी गई है, जिसमें केवल छत्तीसगढ़ के बाइकर को अवसर मिला।
- उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सुपरक्रॉस प्रतियोगिता, 2022 एवं फ्री स्टाइल मोटोक्रॉस का आयोजन रायपुर में किया गया, जो देश में पहली बार किसी आउटडोर स्टेडियम में फ्लड लाइट में आयोजित किया गया है।
- प्रतियोगिता का मूल उद्देश्य युवाओं को रोड-रेज एवं आम रास्तों पर स्टंट इत्यादि से रोकना एवं एक विशेष स्थल पर उनको मौका प्रदाय कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर देना है।
- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अत्यधिक लोकप्रिय, रोमांच, गति एवं साहस से भरपूर इस विशेष खेल को छत्तीसगढ़ में भी स्थापित करना छत्तीसगढ़ मोटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन का उद्देश्य रहा है।

मुख्यमंत्री ने किया 'कौशल्या मातृत्व योजना' का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 7 मार्च, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजधानी रायपुर के बीटीआई ग्राउंड में आयोजित राज्यस्तरीय महिला सम्मेलन में सुरक्षित मातृत्व के लिये पाँच हितग्राहियों को 5-5 हज़ार रुपए के चेक प्रदान कर 'कौशल्या मातृत्व योजना' का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- इस योजना के तहत द्वितीय पुत्री के जन्म पर महिला हितग्राहियों को एकमुश्त 5 हज़ार रुपए की सहायता राशि दिये जाने का प्रावधान है। योजना से बच्चियों के पालन और शिक्षा में मदद मिलेगी।
- मुख्यमंत्री ने राज्यस्तरीय महिला सम्मेलन में आंगनबाड़ी सेवाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, छत्तीसगढ़ महिला कोष से लाभ लेकर महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने वाले स्व-सहायता समूहों को सम्मानित किया।
- इसी प्रकार उन्होंने 'सखी वन स्टॉप सेंटर' और 'नवा बिहान योजना' के तहत महिला संरक्षण की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने वाली अधिकारियों को भी सम्मानित किया।
- उन्होंने इस मौके पर कन्या विवाह योजना कॉफी टेबल बुक, सखी वन स्टॉप सेंटर टेलीफोन डायरेक्ट्री और महिला सशक्तीकरण से संबंधित योजनाओं के ब्रोशर का भी विमोचन किया।
- मुख्यमंत्री ने बीटीआई ग्राउंड में आयोजित चार दिवसीय राज्यस्तरीय महिला मड़ई में प्रदेश भर के महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी के स्टॉलों का भी अवलोकन किया। बस्तर के महिला समूहों के स्टॉल से मुख्यमंत्री ने बेलमेटल से निर्मित कलाकृति खरीदी और तुरही बजाकर महिलाओं के का उत्साहवर्द्धन किया।

छत्तीसगढ़ में 1.70 लाख बच्चे कुपोषण से मुक्त

चर्चा में क्यों ?

- 6 मार्च, 2022 को एक आधिकारिक संचार में बताया गया कि छत्तीसगढ़ में 'मुख्यमंत्री पोषण अभियान' एवं अन्य विभिन्न योजनाओं के चलते पिछले तीन वर्षों में लगभग 1.70 लाख बच्चे कुपोषण से मुक्त हुए हैं।

प्रमुख बिंदु

- वर्ष 2016 से 2022 तक महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित 'वज़न त्योहार' (वेट फेस्टिवल) के आँकड़ों के अनुसार, कुपोषण की दर में 10.27 प्रतिशत की गिरावट आई है। बाल कुपोषण की दर 30.13 प्रतिशत से घटकर केवल 19.86 प्रतिशत रह गई है।
- 'वज़न त्योहार' के तहत विभाग एक विशेष अवधि में सभी बच्चों का वज़न लेता है और वज़न उत्सव के दौरान पोषण स्तर निर्धारित करता है। राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि वेट फेस्टिवल का डेटा बाहरी एजेंसियों द्वारा भी सत्यापित किया जाए।

नोट :

- दूसरी ओर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आँकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ में कुपोषण राष्ट्रीय औसत से कम है। कुपोषण का राष्ट्रीय औसत 32.1 प्रतिशत है जबकि छत्तीसगढ़ में यह 31.3 प्रतिशत है।
- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के अनुसार, छत्तीसगढ़ में बच्चों में कुपोषण का स्तर गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, असम, कर्नाटक, झारखंड और बिहार राज्यों की तुलना में कम है।
- इसके अलावा राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 2015-16 के अनुसार छत्तीसगढ़ में कुपोषण की दर 37.7 प्रतिशत थी जबकि उस समय राष्ट्रीय औसत दर 35.8 प्रतिशत थी।
- उल्लेखनीय है कि राज्य में 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों में व्याप्त कुपोषण एवं एनीमिया तथा 15 से 49 वर्ष आयु की महिलाओं में व्याप्त एनीमिया को खत्म करने एवं उनके पोषण स्तर में सकारात्मक सुधार हेतु 2 अक्टूबर, 2019 को 'मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान' आरंभ किया गया था।

राज्य पुलिस अकादमी और पुलिस प्रशिक्षण स्कूल को यूनियन होम मिनिस्टर ट्रॉफी

चर्चा में क्यों ?

- 8 मार्च, 2022 को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ के राज्य पुलिस अकादमी (चंदखुरी), पुलिस प्रशिक्षण स्कूल (राजनांदगाँव) तथा एक पुलिस थाना सहित पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को विभिन्न पुरस्कारों, पदक तथा ट्रॉफी एवं मेडल से नवाज़ा गया।

प्रमुख बिंदु

- यह पुरस्कार संबंधित संस्थाओं तथा पुलिस विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को अलग-अलग वर्षों में उनके उत्कृष्ट कार्य तथा सेवाओं के लिये प्रदान किया गया है।
- गृह मंत्रालय द्वारा नेताजी सुभाषचंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी, चंदखुरी को राजपत्रित अधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु वर्ष 2019-20 के लिये और पुलिस प्रशिक्षण स्कूल, राजनांदगाँव को नव आरक्षकों के प्रशिक्षण हेतु वर्ष 2019-20 एवं 2020-21 के लिये यूनियन होम मिनिस्टर ट्रॉफी दी गई है।
- गायत्री सिंह, नजमुस साकिब एवं चित्रसेन सिंह खरसन को वर्ष 2019 के लिये तथा राम श्रृंगार यादव एवं केसरी नंदन को वर्ष 2021 के लिये 'असाधारण आसूचना कुशलता पदक' प्रदान किया गया है।
- थाना झिलमिली (ज़िला- सूरजपुर) को 'उत्कृष्ट थाना सम्मान, 2020' प्रदान किया गया है, जो पूरे देश में चौथे स्थान पर रहा।
- इसके साथ ही छत्तीसगढ़ पुलिस के 6 अधिकारियों-कर्मचारियों को वर्ष 2019-20 के लिये तथा 8 अधिकारियों-कर्मचारियों को 2020-21 के लिये यूनियन होम मिनिस्टर मेडल पुरस्कार दिया गया है।

छत्तीसगढ़ आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 2021-22

चर्चा में क्यों ?

- 8 मार्च, 2022 को विधानसभा बजट सत्र में छत्तीसगढ़ राज्य का आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 2021-22 पटल पर प्रस्तुत किया गया।

प्रमुख बिंदु

- छत्तीसगढ़ आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 2021-22 के प्रमुख बिंदु इस प्रकार हैं -
  - वर्ष 2021-22 में स्थिर भावों पर सकल राज्य घरेलू उत्पाद बाज़ार मूल्य पर गत वर्ष 2020-21 के 2,49,683 करोड़ रुपए से बढ़कर 2,78,496 करोड़ रुपए होना अनुमानित है, जो कि 11.54 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।
  - इसमें कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र (कृषि, पशुपालन, मत्स्य एवं वन) में 3.88 प्रतिशत वृद्धि, उद्योग क्षेत्र (निर्माण, विनिर्माण, खनन एवं उत्खनन, विद्युत, गैस तथा जल आपूर्ति) में 15.44 प्रतिशत वृद्धि एवं सेवा क्षेत्र में 8.54 प्रतिशत वृद्धि अनुमानित है।

नोट :

- वर्ष 2021-22 में स्थिर भावों पर सकल राज्य घरेलू उत्पाद में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र, उद्योग क्षेत्र तथा सेवा क्षेत्र का योगदान क्रमश: 16.73, 50.61 तथा 32.66 प्रतिशत है।
- वर्ष 2021-22 के अग्रिम अनुमान में प्रचलित भावों पर सकल राज्य घरेलू उत्पाद (बाज़ार मूल्य) पर गत वर्ष 2020-21 के 3,52,161 करोड़ रुपए से बढ़कर 4,00,061 करोड़ रुपए होना संभावित है, जो कि 13.60 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।
- इसमें वर्ष 2020-21 में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में 74,652 करोड़ रुपए से बढ़कर वर्ष 2021-22 में 81,317 करोड़ रुपए, उद्योग क्षेत्र में 1,35,985 करोड़ रुपए से बढ़कर 1,59,473 करोड़ रुपए एवं सेवा क्षेत्र में 1,18,538 करोड़ रुपए से बढ़कर 1,31,920 करोड़ रुपए होना संभावित है, जो कि गत वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि क्रमश: 8.93, 17.27 एवं 11.29 दर्शाता है।
- राज्य के सकल घरेलू उत्पाद बाज़ार मूल्य त्वरित अनुमान स्थिर भावों (आधार वर्ष 2011-12) के अनुसार गत वर्ष 2019-20 की तुलना में वर्ष 2020-21 में -1.37 प्रतिशत की कमी हुई है। इसमें कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में 5.48 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र में -3.89 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र में -0.16 प्रतिशत की कमी हुई है जिसका मुख्य कारण कोविड-19 महामारी एवं लॉकडाउन है।
- प्रति व्यक्ति आय (निवल राज्य घरेलू उत्पाद) प्रचलित भावों पर वर्ष 2020-21 के त्वरित अनुमान के अनुसार 1,05,778 रुपए से बढ़कर वर्ष 2021-22 में 1,18,401 रुपए होना अनुमानित है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 11.93 प्रतिशत वृद्धि दर्शाता है।

छत्तीसगढ़ के आस्था संकुल संगठन को राष्ट्रीय स्तर का आत्मनिर्भर संगठन पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

- 8 मार्च, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के राजनांदगाँव ज़िले के ग्राम सोनेसरार के आस्था संकुल संगठन को उत्कृष्ट कार्य के लिये भारत सरकार द्वारा आत्मनिर्भर संगठन पुरस्कार, 2022 से सम्मानित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- केंद्रीय पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में संगठन को पुरस्कृत किया। उन्होंने आस्था संकुल संगठन को पुरस्कारस्वरूप एक लाख रुपए की राशि एवं प्रतीक चिह्न प्रदान किये।
- डोंगरगाँव विकासखंड के ग्राम सोनेसरार के आस्था संकुल संगठन से 17 ग्राम पंचायतों के 23 ग्राम संगठन और 443 स्व-सहायता समूह जुड़े हैं। क्षेत्र की 4842 ग्रामीण महिलाएँ संगठन की सदस्य हैं।
- आस्था संकुल संगठन ने खान-पान, पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से आजीविका की ओर कदम बढ़ाया है। संगठन ने क्षेत्र के 2300 परिवारों को किचन गार्डन के माध्यम से सब्ज़ी उत्पादन के लिये प्रेरित किया है। इसके लिये 605 परिवारों को बाज़ार मूल्य से कम दर पर उन्नत सब्ज़ी बीज उपलब्ध कराया गया है।
- संकुल क्षेत्र के अंतर्गत 2300 परिवारों द्वारा स्वयं के किचन गार्डन में 6500 क्विंटल से अधिक टमाटर, भिंडी, भाटा, करेला, लौकी, गोभी जैसी सब्ज़ियों का जैविक पद्धति से उत्पादन किया गया है।
- घर के भोजन में इन सब्ज़ियों के उपयोग के साथ ही किशोरी बालिकाओं, गर्भवती महिलाओं, नवविवाहिताओं एवं दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों के सुपोषण के लिये भी इन्हें उपलब्ध कराया गया है। इससे संकुल संगठन की महिलाओं को भी आर्थिक लाभ हुआ।
- संकुल संगठन के अंतर्गत स्व-सहायता समूहों के सदस्य विभिन्न आजीविकामूलक गतिविधियों से अपना जीवन स्तर ऊंचा उठा रहे हैं। संगठन की महिलाएँ संवहनीय कृषि, सब्ज़ी उत्पादन, सेनिटरी नैपकिन निर्माण, बैंक सखी और ई-रिक्शा संचालन जैसे कार्यों में संलग्न हैं। आजीविका संबंधी कार्यों के साथ ही संगठन की महिलाओं ने कोविड-19 के बारे में जागरूकता के लिये भी काम किया है।

नोट :

छत्तीसगढ़ की मधुलिका रामटेके 'नारी शक्ति पुरस्कार'से सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

- 8 मार्च, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में असाधारण कार्य करने वाली छत्तीसगढ़ की मधुलिका रामटेके को 'नारी शक्ति पुरस्कार'से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में राष्ट्रपति ने देश भर की 29 महिलाओं को 'नारी शक्ति पुरस्कार'से सम्मानित किया। वर्ष 2020 और 2021 के लिये 14-14 पुरस्कार दिये गए तथा एक पुरस्कार संयुक्त रूप से दो महिलाओं को प्रदान किया गया।
- ये पुरस्कार उद्यमशीलता, कृषि, नवाचार, सामाजिक कार्य, कला, दस्तकारी, वन्यजीव संरक्षण, भाषा विज्ञान, मर्चेंट नेवी, शिक्षा, साहित्य, स्टेम (विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग, गणित) और दिव्यांगजन अधिकार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को दिये गए।
- छत्तीसगढ़ के राजनांदगाँव ज़िले की मधुलिका रामटेके एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं, जो घरेलू रूप से प्रताड़ित महिलाओं की भलाई के लिये काम करती हैं। उन्हें महिलाओं के उत्थान और उनके आर्थिक सशक्तीकरण के उल्लेखनीय प्रयासों के लिये वर्ष 2021 के नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- उन्होंने 2001 में घरेलू रूप से प्रताड़ित महिलाओं के लिये एक मामूली बैंकिंग ऑपरेशन शुरू किया। ज़िला प्रशासन द्वारा बैंक को औपचारिक रूप से 'माँ बम्लेश्वरी बैंक'नाम दिया गया था, जिसकी अब 5,372 शाखाएँ हैं। बैंक पूरी तरह से महिलाओं द्वारा प्रबंधित और नियंत्रित है।
- उन्होंने 2015 में 12 लाख पौधों के साथ हाथी फुट याम उगाना शुरू किया जो अब 35 लाख से अधिक पौधों तक बढ़ गया है।
- वे स्थानीय लोगों को वर्मी कंपोस्ट बनाना सिखाती हैं, उन्हें स्वच्छता अभियान व जल सूरज अभियान में भाग लेने के लिये प्रोत्साहित करती हैं और अंधविश्वास, स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जागरूकता भी पैदा करती हैं, जिसके परिणामस्वरूप 2018 में 64 गांवों में शौचालयों का निर्माण हुआ।
- 2016 में उन्हें राज्यस्तरीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।
- उल्लेखनीय है कि कमज़ोर और हाशिये पर रहने वाली महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में असाधारण और उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को हर वर्ष नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। कोरोना महामारी के कारण 2020 का नारी शक्ति पुरस्कार समारोह आयोजित नहीं हो पाया था।

एनटीपीसी लारा को मिला सेफ्टी इनोवेशन नेशनल अवार्ड, 2021

चर्चा में क्यों ?

- 10 मार्च, 2022 को 18वें सेफ्टी कन्वेंशन में इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, सेफ्टी एंड क्वालिटी फोरम, नई दिल्ली द्वारा छत्तीसगढ़ के रायगढ़ ज़िले में स्थित एनटीपीसी लारा को सेफ्टी इनोवेशन अवार्ड, 2021 से सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- एनटीपीसी को यह पुरस्कार प्रो. डी.पी. अग्रवाल (संघ लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष) और डॉ. एच.ओ. ठाकरे, (इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स के अध्यक्ष) द्वारा प्रदान किया गया।
- एनटीपीसी लारा की ओर से हरीश मित्तल (सीनियर मैनेजर (सेफ्टी) लारा) ने पुरस्कार ग्रहण किया।
- कार्यस्थल पर नवोन्मेषी सुरक्षा प्रबंधन प्रणालियों को लागू करने के लिये ऊर्जा क्षेत्र श्रेणी में एनटीपीसी लारा को यह पुरस्कार प्रदान किया गया।
- लारा सुपर थर्मल पावर स्टेशन छत्तीसगढ़ के रायगढ़ ज़िले के तालुक पुसोर के गाँव लारा के पास स्थित एक कोयला आधारित बिजली संयंत्र है। इसकी स्थापित क्षमता 1600 मेगावाट है। 800 मेगावाट सुपर क्रिटिकल टेक्नोलॉजी इस संयंत्र की प्रमुख विशेषता है।

नोट :

साधना कला संस्थान द्वारा आयोजित तीनदिवसीय कला प्रदर्शनी का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 11 मार्च, 2022 को राज्यपाल अनुसुईया उइके ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित टाउन हॉल में साधना कला संस्थान द्वारा आयोजित तीनदिवसीय कला सह छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- राज्यपाल ने टाउन हॉल में लगाए गई साधना ढांढ की कलाकृतियों का अवलोकन किया और उनकी सराहना की।
- उन्होंने कहा कि साधना ढांढ ने अपने अथक् परिश्रम से कला की साधना कर अपने नाम को साकार किया है। उन्होंने अपनी दिव्यांगता को अपनी कमज़ोरी नहीं बनने दी। पिछले 40 वर्षों से अपनी सृजनात्मक क्षमता का उपयोग कर न केवल उन्होंने कला जगत् में नाम कमाया, बल्कि हज़ारों कलाप्रेमियों के लिये प्रेरणा बन उन्हें भी कला की शिक्षा दे रही हैं।
- मूर्तिकला, बोन्साई और फोटोग्राफी जैसी रचनात्मक विधाओं के ज़रिये वे अपनी कला को निरंतर परिष्कृत कर रही हैं।
- राज्यपाल ने कहा कि साधना ढांढ का कला के क्षेत्र में योगदान प्रदेश और देश के लोगों को प्रोत्साहित करेगा। दिव्यांगजनों के लिये वे सदा प्रेरणा बनी रहेंगी।
- कार्यक्रम के अंत में साधना ढांढ ने राज्यपाल को तंजौर कला पर आधारित भगवान गणेश का छायाचित्र भेंट किया। राज्यपाल ने भी साधना ढांढ को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

मैनपाट महोत्सव 2022

चर्चा में क्यों ?

- 11 से 13 मार्च, 2022 तक सरगुजा ज़िले के प्रमुख पर्यटन स्थल मैनपाट में रोपाखार जलाशय के समीप मैनपाट महोत्सव 2022 का आयोजन किया गया।

प्रमुख बिंदु

- महोत्सव का शुभारंभ छत्तीसगढ़ के संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने स्थानीय कलाकारों व नामचीन कलाकारों की मौजूदगी में किया था।
- महोत्सव के समापन अवसर पर अंबिकापुर में संचालित सी-मार्ट व सोहगा गोठान में ह्यूमिक एसिड निर्माण इकाई का शुभारंभ किया गया। इसके साथ ही गोठान कैलेंडर का विमोचन भी किया गया।
- गौरतलब है कि हर साल सरगुजा की संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मैनपाट महोत्सव आयोजित किया जाता है।
- इस महोत्सव में पहली बार कुश्ती प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसके साथ ही तीन दिन तक एडवेंचर स्पोर्ट्स, बोटिंग, पैरासेलिंग और मेला का आयोजन किया गया।
- महोत्सव के अंतिम दिन आदिवासी विकास विभाग द्वारा पहाड़ी कोरवा तीरंदाज़ी प्रतियोगिता का आयोजन एकलव्य विद्यालय मैदान में किया गया, जिसमें ज़िले के 7 विकासखंड के 33 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एशिया का सबसे बड़ा समुद्री फॉसिल्स पार्क मनेंद्रगढ़ में बनेगा

चर्चा में क्यों ?

- 14 मार्च, 2022 को राज्य वन विभाग ने बताया कि एशिया का सबसे बड़ा और छत्तीसगढ़ का पहला समुद्री फॉसिल्स पार्क कोरिया ज़िले के मनेंद्रगढ़ में बनाया जाएगा।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- 21 मार्च को विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल इस पार्क की नींव रखेंगे। इस पार्क को मेरिन फॉसिल्स पार्क नाम दिया गया है।
- प्रस्तावित पार्क आमाखेरवा इलाके में हसदेव और हसिया नदी के संगम पर लगभग 1 किमी. क्षेत्र में विकसित किया जाएगा।
- उल्लेखनीय है कि आमाखेरवा में समुद्री फॉसिल्स होने की जानकारी वर्ष 2012 में मिली थी। वर्ष 2015 में बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैलियोबॉटनी, लखनऊ के विशेषज्ञों ने यहाँ 25 करोड़ साल पुराने समुद्री फॉसिल्स की पुष्टि की थी।
- वन विभाग द्वारा 2015 में ही फॉसिल्स वाले हिस्सों की घेराबंदी कर हेरिटेज के रूप में विकसित कर दिया गया था।
- आमाखेरवा क्षेत्र में हसदेव नदी के बीच करीब एक किमी. का क्षेत्र समुद्री जीवों और वनस्पतियों के जीवाश्म से भरा हुआ है। यहाँ बाइवाल्व मोलस्का, युरीडेस्मा और एवीक्युलोपेक्टेन आदि समुद्री जीवों के जीवाश्म मौजूद हैं। इनके अलावा पेलेसिपोड्स, गैस्ट्रोपोड्स, ब्रेकियोपोड्स, ब्रायोजोअन्स और क्रिएनड्स प्रजाति के जीव भी हैं।

दि इनक्रेडिबल जर्नी ऑफ कोसा 'पुस्तक का विमोचन

चर्चा में क्यों ?

- 15 मार्च, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विधानसभा परिसर स्थित अपने कार्यालय कक्ष में कोसा सिल्क की पौराणिक काल से लेकर अब तक की यात्रा, कोसे की साड़ियों और पोशाक सामग्री पर संपादित पुस्तक 'दि इनक्रेडिबल जर्नी ऑफ कोसा 'का विमोचन किया।

प्रमुख बिंदु

- यह पुस्तक वरिष्ठ पत्रकार के. एन. किशोर एवं डॉ. राजेंद्र मोहंती द्वारा संपादित है।
- यह पुस्तक 'कोसा 'रेशम के पीछे की पौराणिक कथाओं, इसकी ऐतिहासिक उत्पत्ति, भारत में रेशम के आगमन और विकास के बारे में बताने वाले साहित्यिक साक्ष्य और छत्तीसगढ़ में इसके आगमन के संबंध में चर्चा करती है।
- इसके अलावा यह रेशम के उत्पादन की पारंपरिक प्रक्रिया, धागा बनाने की प्रक्रिया के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के रेशमी कपड़ों, जैसे- साड़ी, ड्रेस सामग्री, फर्निशिंग आदि की प्रक्रिया पर भी चर्चा करती है।
- यह पुस्तक छत्तीसगढ़ के बेशकीमती हथकरघा कोसा उत्पाद पर एक संक्षिप्त जानकारी देगी और नई पीढ़ियों के लिये ज्ञान के भंडार के रूप में उपयोगी होगी।
- के. एन. किशोर ने बताया कि यह पुस्तक रेशम की बुनाई के पारंपरिक रूपों के साथ-साथ कोसा की यात्रा, रूपांकनों, रंगों और बुनावट के दस्तावेज़ीकरण तथा कोसा के इतिहास को संरक्षित करने का एक प्रयास है।

छत्तीसगढ़ के 6 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन प्रमाण-पत्र

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा और मरीज़ों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने वाले छत्तीसगढ़ के छह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (NQAS) प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- इसके साथ ही जगदलपुर ज़िला अस्पताल और मुंगेली ज़िले के लोरमी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को प्रसव कक्ष और मैटरनिटी ऑपरेशन थियेटर की उत्कृष्ट सुविधाओं तथा प्रसूताओं एवं गर्भवती महिलाओं की अच्छी देखभाल के लिये 'लक्ष्य 'प्रमाण-पत्र (LaQshya Certification) प्रदान किया गया है।
- राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र पाने वाले छह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में पाँच शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और एक ग्रामीण अंचल का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल है।

नोट :

- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जशपुर ज़िले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेलवा, फरसाबहार को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया है।
- वहीं राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र पाने वाले पाँच शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में रायपुर ज़िले के तीन शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चंगोरा भाठा, उरला व भनपुरी, कोरबा ज़िले का ढोढीपारा तथा दुर्ग ज़िले का चरोदा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं।
- उल्लेखनीय है कि 'राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक 'प्रमाण-पत्र और 'लक्ष्य 'प्रमाण-पत्र प्रदान करने के पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम द्वारा अस्पताल की सेवाओं और संतुष्टि स्तर का कई मानकों पर परीक्षण किया जाता है। इन कड़े मानकों पर खरा उतरने वाले अस्पतालों को ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुणवत्ता प्रमाण-पत्र जारी किये जाते हैं।

मनरेगा में लेबर बजट बढ़ाने के छत्तीसगढ़ के प्रस्ताव को केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की मंज़ूरी

चर्चा में क्यों ?

- 17 मार्च, 2022 को केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ में मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम) के लेबर बजट में दो करोड़ 22 लाख मानव दिवस की बढ़ोतरी की मंज़ूरी दे दी है।

प्रमुख बिंदु

- केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के मंज़ूरी के बाद अब प्रदेश में चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिये मनरेगा के तहत रोज़गार सृजन का लक्ष्य साढ़े 13 करोड़ मानव दिवस से बढ़कर 15 करोड़ 72 लाख मानव दिवस हो जाएगा।
- छत्तीसगढ़ ने चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 में मनरेगा के तहत निर्धारित साढ़े 13 करोड़ मानव दिवस रोज़गार सृजन का लक्ष्य विगत फरवरी माह में ही हासिल कर लिया था।
- उल्लेखनीय है कि प्रदेश में इस वर्ष अब तक मनरेगा के अंतर्गत 28 लाख से अधिक परिवारों के करीब 54 लाख पाँच हज़ार श्रमिकों को काम दिया गया है। इस दौरान चार लाख 75 हज़ार 374 परिवारों को 100 दिनों से अधिक का रोज़गार भी मुहैया कराया गया है।

संगीता खलखो बनी राज्य स्तर पर सबसे अधिक लेन-देन करने वाली बैंक सखी

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बलरामपुर के तातापानी में बैंक सखी के रूप में कार्यरत संगीता खालखो 1 करोड़ 36 लाख रुपए का लेन-देन कर राज्य स्तर पर सबसे अधिक लेन-देन करने वाली बैंक सखी बन गई हैं।

प्रमुख बिंदु

- कलेक्टर कुंदन कुमार ने संगीता खलखो को इसके लिये संयुक्त ज़िला कार्यालय परिसर में सम्मानित किया।
- उल्लेखनीय है कि 8 मार्च, 2022 को विश्व महिला दिवस के अवसर पर संगीता खलखो को ग्राहक सेवा केंद्र के राज्य स्तरीय कार्यालय रायपुर मे आयोजित स्मरण समारोह में सम्मानित किया गया था।
- संगीता खलखो ग्राहक सेवा केंद्र के माध्यम से अब तक 513 बचत खाता खोल चुकी हैं तथा उन्हें समय-समय पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता रहा है।
- कलेक्टर कुंदन कुमार ने संगीता खलखो की कार्यकुशलता को देखते हुए ज़िला प्रबंधक ई गवर्नेंस को निर्देशित किया है कि उन्हें लोकसेवा केंद्र के संचालन हेतु समस्त आईडी देकर ग्राम तातापानी में लोक सेवा केंद्र प्रारंभ करना सुनिश्चित करें।

नोट :

मुख्यमंत्री ने बलौदाबाज़ार में डॉ. खूबचंद बघेल की प्रतिमा का किया अनावरण

चर्चा में क्यों ?

- 20 मार्च, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बलौदाबाज़ार में छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के प्रथम स्वप्नदृष्टा डॉ. खूबचंद बघेल की अष्टधातु से तैयार की गई सात फीट ऊँची प्रतिमा का अनावरण किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बलौदाबाज़ार प्रवास के दौरान ज़िला मुख्यालय के गौरव पथ गार्डन में डॉ. खूबचंद बघेल की प्रतिमा का अनावरण किया।
- उन्होंने आदमकद प्रतिमा की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रतिमा के ज़रिये छत्तीसगढ़ की नई पीढ़ी छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के स्वप्नदृष्टा के योगदान से परिचित होगी।
- इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने विप्र वाटिका में आयोजित सर्व ब्राह्मण समाज के शपथ ग्रहण समारोह में बलौदाबाज़ार पॉलीटेक्निक कॉलेज का नामकरण पूर्व सांसद स्वर्गीय करुणा शुक्ला के नाम पर करने की घोषणा की।
- उल्लेखनीय है कि डॉ. खूबचंद बघेल का जन्म रायपुर ज़िले के पथरी गाँव में 19 जुलाई, 1900 को हुआ था। डॉ. बघेल महात्मा गांधी के विचारों से काफी प्रभावित थे तथा सरकारी नौकरी छोड़कर 1930 में गांधीजी के आंदोलन से जुड़ गए थे।
- डॉ. बघेल ने कुप्रथा का जमकर विरोध किया। होली के दौरान कराए जाने वाले 'किसबिन नाच' (kissbin dance) को बंद कराने के लिये उन्होंने सत्याग्रह किया। इसके अलावा उन्होंने 'पंक्ति तोड़ो' आंदोलन चलाया। इस आंदोलन का उद्देश्य था 'कोई भी व्यक्ति किसी के भी साथ एक पंक्ति में बैठकर भोजन कर सकता है, जाति के आधार पर अलग पंक्ति नहीं होनी चाहिये।'

फाल्गुन मड़ई मेला

चर्चा में क्यों ?

- 19 मार्च, 2022 को दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा की ऐतिहासिक एवं विश्वप्रसिद्ध फाल्गुन मड़ई (फागुन मड़ई मेला) का 10 दिनों के विविध धार्मिक आयोजन के पश्चात् विधिवत् समापन हुआ।

प्रमुख बिंदु

- दसदिवसीय फागुन मड़ई मेले का शुभारंभ 9 मार्च को माँ दंतेश्वरी के प्रवेश द्वार पर स्थित मेंढ़का डोबरा मैदान में कलश स्थापना के साथ हुआ था।
- इस मेले में माँ दुर्गा के नौ रूपों की पूजा के साथ नौ दिन तक माता की पालकी निकाली जाती है। फागुन मेले में निभाई जाने वाली रस्में केवल दंतेवाड़ा में ही देखने को मिलती हैं।
- इस मेले में 700 से ज़्यादा गाँव के देवी-देवता शामिल होते हैं। इसमें बस्तर संभाग और ओडिशा के नवरंगपुर ज़िले के सभी देवी-देवताओं को आमंत्रित कर सहभागी बनाया जाता है।
- दंतेवाड़ा में शंकनी-डंकनी नदियों के संगम स्थल पर विराजित माँ दंतेश्वरी देवी की प्रसिद्ध ऐतिहासिक और पुरातात्त्विक प्राचीन शक्तिपीठ की छत्रछाया में फागुन मेले का आयोजन किया जाता है।
- उल्लेखनीय है कि दंतेवाड़ा की प्रसिद्ध फागुन मड़ई का आयोजन प्रतिवर्ष फाल्गुन शुक्ल षष्ठी से पूर्णिमा तक होता है। ऐसी मान्यता है कि इस दौरान माँ दंतेश्वरी अपने सभी देवी-देवताओं के साथ होली उत्सव मनाती हैं।
- फागुन मड़ई का संपूर्ण आयोजन एवं व्यवस्था टेंपल स्टेट कमिटी दंतेवाड़ा द्वारा की जाती है। कलेक्टर दंतेवाड़ा की अध्यक्षता में गठित इस समिति में मंदिर के पुजारी, मांझी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि सदस्य होते हैं।

नोट :

फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिये छत्तीसगढ़ की आदिवासी महिलाएँ सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में छत्तीसगढ़ के कोंडागाँव ज़िले की आदिवासी महिलाओं को भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर नई दिल्ली में सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- कृषि खाद्य उत्पादों के निर्माण और महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिये एमएसएमई के राज्यमंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने यह अवार्ड प्रदान किया।
- एमएसएमई मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में 5 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी- इनवेस्टमेंट एंड बिज़नेस समिट कम अवार्ड कार्यक्रम में यह सम्मान महिला समूह की ओर से कंसल्टेंट सिद्धार्थ पांडेय ने ग्रहण किया।
- आदिवासी बहुल कोंडगांव ज़िले की महिलाओं ने उड़ान महिला किसान प्रोड्यूसर कंपनी बनाई है। ये कंपनी कोंडानार ब्रांड के नाम से कृषि खाद्य उत्पादों का निर्माण करती है और बेचती है।
- इस कंपनी में 10 बोर्ड ऑफ डायरेक्टर हैं। इसमें 30 से ज़्यादा महिला स्वयं सहायता समूह जुड़े हुए हैं, जो अचार, चटनी, मिल्क शेक, कुकीज, तीखुर, नारियल तेल सहित 30 से ज़्यादा खाद्य सामग्री बनाने का काम करते हैं।
- इस कंपनी से 200 से ज़्यादा आदिवासी महिलाओं को नियमित रोज़गार सुनिश्चित हुआ है। यहाँ काम कर रहीं महिलाओं को हर महीने कम-से-कम 7500 रुपए वेतन मिलता है।
- कोंडानार देश के साथ ही दुनिया में भी ब्रांड बन रहा है। दुबई एक्सपो में भी कोंडगांव उड़ान के प्रोडक्ट्स को वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर रखा गया था। अनेक देशों के लोगों ने प्रोडक्ट्स की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सी-मार्ट के लोगो का किया विमोचन

चर्चा में क्यों ?

- 22 मार्च, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विधानसभा परिसर में सी-मार्ट के लोगो का विमोचन किया। यह लोगो कारीगरों, बुनकरों, शिल्पकारों, कुम्हारों और अन्य पारंपरिक कलाकारों के कामों को एक उत्सव की तरह प्रतिबिंबित करता है।

प्रमुख बिंदु

- लोगो में साल वृक्ष के नीचे आदिवासियों के पारंपरिक हाट-बाज़ार को प्रदर्शित किया गया है, भारतीय गाँवों और कस्बों में मुक्ताकाश बाज़ार ही स्थानीय लोगों का विनिमय केंद्र होता है।
- धान की बालियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ में चावल उत्पादन की प्रचुरता पर प्रकाश डाला गया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश भारत के तीन प्रमुख धान उत्पादक राज्यों में से एक है।
- मटमैले मैरून और हरे रंग के माध्यम से छत्तीसगढ़ की आदिवासी महिलाओं के पारंपरिक परिधानों को दर्शाया गया है।
- उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था के तेज़ी से विकास के लिये गाँवों में तैयार उत्पादों को शहरों के मार्केट से जोड़ने की नई पहल की गई है।
- राज्य सरकार के विभिन्न विभागों की योजनाओं के अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों, शिल्पियों, बुनकरों, दस्तकारों, कुंभकारों अथवा अन्य पारंपरिक एवं कुटीर उद्योगों द्वारा निर्मित उत्पादों का समुचित मूल्य सुनिश्चित करने हेतु इनकी व्यावसायिक ढंग से मार्केटिंग के लिये शहरों में आधुनिक शोरूम की तरह सी-मार्ट स्थापित किया जा रहा है।
- इसके लिये प्रथम चरण में सभी ज़िला मुख्यालयों में नगर निगमों की स्थिति में 8 से 10 हज़ार वर्गफीट तथा नगर पालिकाओं की स्थिति में 6 से 8 हज़ार वर्गफीट में आधुनिक शोरूम की तरह सी-मार्ट की स्थापना की जा रही है।
- सी-मार्ट की स्थापना से इन सभी वर्गों के उद्यमियों को अधिकतम लाभ प्राप्त हो सकेगा। सी-मार्ट विभिन्न उद्यमियों के उत्पादों का एक ही छत के नीचे विक्रय की व्यवस्था सुनिश्चित करेगा।

नोट :

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री ने प्रदेश के 6 मनरेगा श्रमिकों को किया सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

- 24 मार्च, 2022 को केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा प्रोजेक्ट 'उन्नति'के ज़रिये कौशल विकास का प्रशिक्षण हासिल कर अपनी ज़िंदगी बदलने वाले छत्तीसगढ़ के छह मनरेगा श्रमिकों को सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- देश की आज़ादी के 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर आयोजित आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत देश भर से प्रोजेक्ट 'उन्नति'के 75 हितग्राहियों को सम्मानित किया गया है।
- प्रोजेक्ट 'उन्नति'के अंतर्गत मनरेगा श्रमिकों के कौशल विकास में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कृषि विज्ञान केंद्रों, ग्रामीण स्वरोज़गार प्रशिक्षण संस्थानों (R-SETI) एवं दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (DDU-GKY) के अधिकारियों को भी कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।
- केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज मंत्री गिरिराज सिंह ने नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में इन श्रमिकों को स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।
- प्रदेश के बालोद कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. के.आर. साहू और धमतरी में बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा संचालित ग्रामीण स्वरोज़गार प्रशिक्षण संस्थान (R-SETI) की प्रभारी अनिता तुडू को भी प्रोजेक्ट 'उन्नति'में उनके योगदान के लिये सम्मानित किया गया।
- वित्तीय वर्ष 2018-19 में मनरेगा के अंतर्गत 100 दिनों का रोज़गार प्राप्त करने वाले परिवारों के इन सदस्यों को प्रोजेक्ट 'उन्नति'के माध्यम से कौशल विकास का प्रशिक्षण देकर स्वरोज़गार के लिये तैयार किया गया है। इन सभी को अपने-अपने ज़िले में स्थित ग्रामीण स्वरोज़गार प्रशिक्षण संस्थान (R-SETI) में प्रशिक्षण प्रदान किया गया था।
- वित्तीय वर्ष 2018-19 में मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम) के अंतर्गत 100 दिनों का रोज़गार हासिल करने वाले परिवारों के ये श्रमिक कौशल उन्नयन के बाद अब खुद का व्यवसाय कर रहे हैं।
- सम्मानित होने वाले मनरेगा श्रमिकों में धमतरी ज़िले के भनपुरी ग्राम पंचायत की नीतू बाई साहू (मशरूम उत्पादन), सारंगपुरी पंचायत की पूलवंती कंवर (मोमबत्ती बनाने का काम), गरियाबंद ज़िले के फिंगेश्वर विकासखंड की लोहरसी की गीतांजली ध्रुव और पतोरा पंचायत की ओमेश्वरी कंवर (सिलाई कार्य), कोरिया ज़िले के सोनहत विकासखंड के पोड़ी ग्राम पंचायत के कृष्ण कुमार (बकरी पालन) एवं महासमुंद ज़िले के बसना विकासखंड के दुर्गापाली के बिमल साव (मोबाइल रिपेयरिंग) शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ की ईश्वरी ने दुबई में वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स में जीता रजत पदक

चर्चा में क्यों ?

- 23 मार्च, 2022 को छत्तीसगढ़ के महासमुंद की दृष्टिबाधित धावक ईश्वरी निषाद ने दुबई में आयोजित 13वें फैजा इंटरनेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अंतर्गत वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स 2022 में दौड़ प्रतियोगिता में भारत के लिये रजत पदक जीता।

प्रमुख बिंदु

- ईश्वरी निषाद ने 400 मीटर की दौड़ एक मिनट 25 सेकेंड में पूरी कर दूसरा स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही ईश्वरी इस साल अक्टूबर में चीन के हांगझोऊ में होने वाले एशियाई पैरा खेलों के लिये न्यूनतम मानक योग्यता हासिल करने में सफल हो गई हैं।
- उल्लेखनीय है कि 13वें फैजा इंटरनेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन दुबई में 17 से 25 मार्च, 2022 तक किया गया।
- मूलत: महासमुंद ज़िले की बागबाहरा तहसील के ग्राम सम्हर की रहने वाली ईश्वरी निषाद फॉर्चून फाउंडेशन नेत्रहीन विशेष विद्यालय, बागबाहरा में अध्ययनरत् हैं।

नोट :

- ईश्वरी ने 2016 में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करना शुरू किया और पांच साल से लगातार स्वर्ण पदक जीत रही हैं। उन्होंने अब तक राष्ट्रीय स्पर्धाओं में 11 पदक हासिल किये हैं, जिनमें 5 स्वर्ण, 5 रजत और 1 कांस्य पदक शामिल हैं।
- उन्होंने वर्ष 2021-22 में बंगलूरु सांई प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित इंडिया नेशनल ओपन पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 200 मीटर रेस में स्वर्ण पदक जीता था।
- गौरतलब है कि समाज कल्याण मंत्री अनिला भेड़िया ने विगत पाँच मार्च को राजधानी रायपुर में आयोजित राज्यस्तरीय सम्मान समारोह में ईश्वरी निषाद को राष्ट्रीय स्तर पर पैराएथलेटिक्स में स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर सम्मानित किया था।
- ईश्वरी दुबई से लौटने के बाद भुवनेश्वर में आयोजित होने वाले 20वें नेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेंगी।

शैक्षिक छात्रवृत्ति अभियान

चर्चा में क्यों ?

- 25 मार्च, 2022 को छत्तीसगढ़ के नगरीय प्रशासन एवं श्रम मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया ने छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण बोर्ड की शैक्षिक छात्रवृत्ति योजना के तहत शैक्षिक छात्रवृत्ति अभियान का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- मंत्री डहरिया ने वर्ष 2021-22 के लिये प्रदेश के विभिन्न ज़िलों के 1,682 मज़दूरों के बच्चों को 42,33,500 रुपए की छात्रवृत्ति चेक और आरटीजीएस के माध्यम से वितरित की।
- मंत्री ने कहा कि शैक्षिक छात्रवृत्ति योजना के तहत श्रम 9 विभाग के अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि पंजीकृत श्रमिकों के प्रत्येक स्कूल और कॉलेज जाने वाले बच्चे तक इसका लाभ पहुँचे।
- श्रम कल्याण बोर्ड ने कहा कि कक्षा एक से आठ तक पढ़ने वाले मज़दूरों के बच्चों को सालाना 1,500 रुपए मिलेंगे, जबकि नौवीं से बारहवीं कक्षा के छात्रों को 3,000 रुपए प्रति वर्ष दिये जाएंगे।
- स्नातक स्तर पर छात्रों को प्रतिवर्ष 5,000 रुपए और दिये जाएंगे, जबकि स्नातक स्तर पर इंजीनियरिंग, मेडिकल और अन्य छात्रों को प्रति वर्ष 8,000 रुपए और स्नातकोत्तर छात्रों को 10,000 रुपए दिये जाएंगे।

आईसीएच वायरस

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर ज़िले के कानन पेंडारी जूलॉजिकल पार्क में तीन भालुओं की इनफेक्शियस कैनाइन हेपेटाइटिस (आईसीएच) वायरस से मौत हो गई, जिससे जू के 632 अन्य वन्य जीवों पर आईसीएच का खतरा मँडरा रहा है।

प्रमुख बिंदु

- जू प्रबंधन ने बताया कि आईसीएच संक्रमण के कारण बीते 26 दिनों में दो नर भालुओं तथा एक मादा भालू कविता की मौत हो गई है। कविता उन दो मृत भालुओं के संपर्क में थी, जिनकी पहले मौत हो चुकी थी।
- कानन पेंडारी के डीएफओ विष्णु नायर ने बताया कि भालुओं में आईसीएच का संक्रमण कहाँ से फैला, यह नहीं कहा जा सकता। ये केवल कैनाइन प्रजाति के जीवों में ही फैलता है। अन्य जीवों में वायरस का संक्रमण नहीं दिखा है।
- उत्तर प्रदेश के आगरा स्थित वन्य जीव विशेषज्ञ व भालू रेस्क्यू सेंटर के डॉ. ईलाईराजा ने बताया कि ये इनफेक्शियस कैनाइन हेपेटाइटिस के लक्षण हो सकते हैं। यह एक विषाणु जनित बीमारी है। एक बार यह संक्रमण होने पर उसका इलाज नहीं है। भालुओं को केवल कोरोना की तरह आइसोलेशन में रखकर ही बचाव कर सकते हैं।

नोट :

23वीं राष्ट्रीय सब-जूनियर फेंसिंग प्रतियोगिता

चर्चा में क्यों ?

- 26 से 28 मार्च, 2022 तक छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित जैनम मानस भवन में 23वीं सब-जूनियर राष्ट्रीय फेंसिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई।

प्रमुख बिंदु

- प्रतियोगिता के बालक वर्ग में ओवरआल का खिताब हरियाणा और बालिका वर्ग में खिताब कर्नाटक ने जीता।
- प्रतियोगिता के समापन समारोह में छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन महेंद्र सिंह छाबड़ा ने विजेताओं को पुरस्कार एवं मेडल वितरित किये।
- प्रतियोगिता के फाइनल इवेंट के बालिका वर्ग में विजेता एवं उपविजेता क्रमश: मणिपुर और महाराष्ट्र बने, जबकि तीसरे स्थान पर तमिलनाडु एवं हरियाणा रहे। इसी प्रकार बालक वर्ग में विजेता एवं उपविजेता क्रमश: हरियाणा और मणिपुर बने, जबकि तीसरे स्थान पर पंजाब एवं महाराष्ट्र रहे।
- प्रतियोगिता के सेबर इवेंट के बालक वर्ग में विजेता एवं उपविजेता क्रमश: तमिलनाडु और दिल्ली बने, जबकि तीसरे स्थान पर पंजाब एवं हरियाणा रहे। इसी प्रकार बालिका वर्ग में विजेता एवं उपविजेता क्रमश: दिल्ली और हरियाणा बने, जबकि तीसरे स्थान पर पंजाब एवं मणिपुर रहे।
- सब-जूनियर फेंसिंग प्रतियोगिता के एपी इवेंट के बालिका वर्ग में विजेता कर्नाटक, उपविजेता महाराष्ट्र और तीसरे स्थान पर तमिलनाडु एवं हरियाणा रहे। इसी प्रकार बालक वर्ग में विजेता हरियाणा, उपविजेता मणिपुर और महाराष्ट्र एवं जम्मू-कश्मीर को तीसरा स्थान मिला।
- बालक वर्ग में ओवरआल हरियाणा प्रथम स्थान, मणिपुर द्वितीय, तमिलनाडु तृतीय, पंजाब चतुर्थ और दिल्ली पाँचवें स्थान पर रही। इसी तरह बालिक वर्ग में ओवरआल कर्नाटक प्रथम, मणिपुर द्वितीय, हरियाणा तृतीय, महाराष्ट्र चतुर्थ और तमिलनाडु पाँचवें स्थान पर रहा।

ग्राम पंचायत छिंदिया को बेहतर जल संरक्षण और प्रबंधन के लिये मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

- 29 मार्च, 2022 को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने विज्ञान भवन, नई दिल्ली में तीसरे राष्ट्रीय जल पुरस्कार वितरण समारोह में 'सर्वश्रेष्ठ पंचायत'श्रेणी में छत्तीसगढ़ के सूरजपुर ज़िले की छिंदिया ग्राम पंचायत को बेहतर जल संरक्षण और प्रबंधन के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

- केंद्रीय जल मंत्रालय द्वारा दिये गए तीसरे राष्ट्रीय जल पुरस्कार के तहत छिंदिया को 'सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत'श्रेणी में दूसरा पुरस्कार मिला।
- राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने तीसरे राष्ट्रीय जल पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित करने के साथ ही जल शक्ति अभियान: कैच द रेन कैंपेन 2022 का शुभारंभ किया।
- इस अवसर पर भारत के अंतर्राष्ट्रीय जल संसाधन कार्यक्रम 'इंडिया वाटर वीक-2022 (आईडब्ल्यूडब्ल्यू-2022) के 7वें संस्करण की प्रथम सूचना विवरणिका जारी की गई। इसका आयोजन 1-5 नवंबर, 2022 को इंडिया एक्सपो सेंटर, ग्रेटर नोएडा में किया जाएगा।
- जल शक्ति मंत्रालय के जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग द्वारा राज्यों, संगठनों, व्यक्तियों आदि को 11 अलग-अलग श्रेणियों में 57 पुरस्कार दिये गए।
- इन श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ राज्य, सर्वश्रेष्ठ ज़िला, सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत, सर्वश्रेष्ठ शहरी स्थानीय निकाय, सर्वश्रेष्ठ मीडिया (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक), सर्वश्रेष्ठ स्कूल, सर्वश्रेष्ठ संस्थान/आरडब्ल्यूए/कैंपस उपयोग के लिये धार्मिक संगठन, सर्वश्रेष्ठ उद्योग, सर्वश्रेष्ठ एनजीओ, सर्वश्रेष्ठ जल उपयोगकर्त्ता संघ और सीएसआर गतिविधि के लिये सर्वश्रेष्ठ उद्योग शामिल हैं।

नोट :

- सर्वश्रेष्ठ राज्यों की श्रेणी में उत्तर प्रदेश, राजस्थान एवं तमिलनाडु को क्रमश: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार मिला।
- उल्लेखनीय है कि जल शक्ति मंत्रालय द्वारा पहला राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2018 में शुरू किया गया था। जल आंदोलन को जन आंदोलन में बदलने के लिये 2019 में जल शक्ति अभियान और जल जीवन मिशन शुरू किया गया था, जिसमें कई पुनर्भरण संरचनाएँ बनाई गईं और इसमें करोड़ों लोग शामिल हुए।
- जल शक्ति अभियान-II: 'कैच द रेन, ह्वेयर इट फॉल्स, व्हेन इट फॉल्स'को प्रधानमंत्री द्वारा 22 मार्च, 2021 को विश्व जल दिवस के अवसर पर शुरू किया गया था, जिसे प्री-मानसून और मानसून अवधि, यानी मार्च 2021 से 30 नवंबर, 2021 के दौरान देश के सभी ज़िलों (ग्रामीण और साथ ही शहरी क्षेत्रों) में चलाया गया था।
- जल शक्ति अभियान: कैच द रेन 2022 में कुछ नई विशेषताएँ जोड़ी गई हैं, जैसे- स्प्रिंग शेड विकास, जलग्रहण क्षेत्रों की सुरक्षा, जल क्षेत्र में लैंगिक मुख्यधारा। जल क्षेत्र में लैंगिक मुख्यधारा शामिल किये जाने से जल संरक्षण और प्रबंधन में महिलाओं की भूमिका को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी के नाम पर महिला सशक्तीकरण पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

- 30 मार्च, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी के नाम पर छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तीकरण पुरस्कार दिये जाने की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने बेमेतरा ज़िले के विकासखंड नवागढ़ के ग्राम संबलपुर में लोधी समाज द्वारा आयोजित वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी बलिदान दिवस समारोह में यह घोषणा की।
- यह पुरस्कार राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 1 नवंबर को प्रदान किया जाएगा।
- मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर संबलपुर को नगर पंचायत का दर्जा देने की घोषणा भी की।
- उल्लेखनीय है कि भारत के प्रथम स्वाधीनता संग्राम सन् 1857 की लड़ाई में वीरांगना अवंती बाई लोधी ने अंग्रेज़ों के खिलाफ युद्ध करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी।

नोट :